Roll No. ..... Total Printed Pages - 6

F-3103

B.A. (Part - I) EXAMINATION, 2022

(New Course)

HINDI LITERATURE

Paper First

(प्राचीन हिन्दी काव्य)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks:75*

[Minimum Pass Marks : 26]

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **21 अंक**

(क) सुरति टीकुली लेज ल्यौ, मन नित ढोलन हार।

कँवल कुवाँ मैं प्रेम रस, पीवै बारंबार।।

गंग जमुन उर अंतरै, सहज सुनि ल्यौ घाट।

तहाँ कबीरै मह रच्या, मुनि जन जोवैं बाट।।

अथवा

पिंउ वियोग अस बाउर जीऊ। पपिहा निति बोले पिउ पिऊ।।

अधिक काम दाधै सो रामा। हरि लेइं सुआ गएउ पिउ नामा।।

बिरह बान तस लाग न डोरी। रकत पसीज, भीजि गइ चोली।।

सूख हिया, हार भा भारी। हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी।।

खन एक आव पेट मँह साँसा। खनहिं जाइ, जिउ, होइ निरासा।।

(ख) जीवन मुँहचाही को नीको।

दरस-परस दिन-रात करति हैं कान्ह पियारे पीको।

नयनन मूँदि-मूँदि किन देखौ बंह्यो ज्ञान पोथी को।

आछे सुन्दर स्याम मनोहर और जगत सब फीको।

सुनौ जोग को का लै कीजै यहाँ ज्वान है जी को।

खाटी मही नहीं रुचि मानै सूर खवैया घी को।।

अथवा

प्रबिसि नगर कीजे सब काजा। हृदयँ राखि कोसलपुर राजा।।

गरल सुधा रिपु करहिं मिताई। गोपद सिंधु अनल सितलाई।।

गरुड़ सुमेरु रेनु सम ताही। राम कृपा करि चितवा जाही।।

अति लघु रूप धरेउ हनुमाना पैठा नगर सुमिरि भगवाना।।

(ग) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छवै।

हँसि बोलनि मैं छबि फूलन की बरषा उर ऊपर जाति ह्वै ।।

लट लाल कपोल कलौल करै, कल कंह बनी जलजावलि द्वै।

अंग अंग तरंग उहै दुति की, परिहै मनौ रूप अवै घर च्वै।।

अथवा

जोग ठगोरी ब्रज न बिकै हैं।

यह व्योपार तिहारो ऊधोए! ऐसोई फिर जै है।।

जापै लै आए हौ मधुकर ताके उर न समैहै।

दाख छांडि कै कटुक निबौरी को अपने मुख खैहै?

मूरी के पातन के केना सो मुक्ताहल दैहै।।

2. कबीर की दार्शनिक विचार धारा का सम्यक् विवेचन कीजिए।

12 अंक

अथवा

'पद्मावत' में जायसी की प्रतीक योजना स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कबीर और जायसी के रहस्यवाद की तुलना कीजिए।

3. "महाकवि सूरदास का वियोग जितना मार्मिक है उतना और किसी का नहीं।" तर्क संगत उत्तर दीजिए। **12 अंक**

अथवा

अनुभूति की दृष्टि से गोस्वामी तुलसीदास की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

घनानन्द के काव्य-वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

4. निमनलिखित में से किन्ही <u>पाँच</u> पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

प्रत्येक 3 अंक

(i) विद्यापति का जीवनवृत्त

(ii) रसखान की भक्ति भावना

(iii) रहीम की प्रासंगिकता

(iv) रीति मुक्त काव्य धारा

(v) कबीर की भाषा

(vi) अष्टछाप : सामान्य परिचय

(vii) भक्ति काल की सामान्य विशेषताएँ

5. निम्नलिखित में से किन्हीं <u>पन्द्रह</u> वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

प्रत्येक 1 अंक

(i) 'रामचरित मानस' में 'सुन्दर काण्ड' कौन से क्रम में हैं?

(ii) सूरदास का जन्म संवत 1535 में .... नामक स्थान में हुआ था।

(iii) कृष्ण गीतावली के रचनाकार का नाम लिखिए।

(iv) पाठ्यक्रम में पुष्टिमार्गीय कवि कौन हैं?

(v) तुलसी को भक्ति युग का सबसे बड़ा लोक नायक किसने सिद्ध किया है?

(vi) सूरदास के काव्य का प्रमुख वर्ण्य - विषय क्या है?

(vii) कबीर को हिन्दी का सर्वप्रथम रहस्यवादी कवि .... ने माना है।

(viii) 'अजपाजाप' क्या है?

(ix) 'पद्मावत' की कथा समासोक्ति है या अन्योक्ति?

(x) घनानन्द किसके दरबारी कवि थे?

(xi) 'कीर्तिलता' और 'कीर्तिपताका' की भाषा क्या है?

(xii) भक्तिकाल के किस कवि की मृत्यु 'मगहर' में मानी जाती है?

(xiii) 'पद्मावत' की भाषा कौन-सी है?

(xiv) 'साखी' का क्या अर्थ है?

(xv) 'पद्मावत' में मन किसका प्रतीक है?

(xvi) घनानन्द वृंदावन में किस संप्रदाय में दीक्षित हो गए थे?

(xvii) 'प्रेम वाटिका' किस छन्द में लिखी गई है?

(xviii) "लोग हैं लागि कवित्त बनावत, मोहिं तौ मेरे कवित्त बनावत।" किसका कथन है?

(xix) रहीम के पिता का नाम लिखिए।

(xx) हिन्दी साहित्य के इतिहास में मध्यकाल की समय सीमा क्या है?